(c) New/additional traffic rights are granted in different routes, wherever required. The facilities of international airports to handle aircraft movements and passengers are also being upgraded in a phased manner to cater to the growing traffic requirements.

Private Air strips in the country

1378. SHRI SATISH PRADHAN: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) what is the number of air landing strips privately-owned and operated in the country;

(b) what is the number and locations having air-strips in Maharashtra privately owned by the individuals;

(c) what are the locations having Government-owned and operated air-strips in Maharashtra; and

(d) whether all these air-strips are under the purview of the Civil Aviation Department?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) There are at present 47 air strips privately owned and operated in the country.

(b) The air-strips in Maharashtra located in Kudal in Ratnagiri District and Waluj in Aurangabad District are privately owned.

(c) and (d) 25 airports/airstrips are owned and operated by Central/State Government or their agencies. The details are given in the annexed Statement. (*See* below) Of these, only one air-strip is owned by DGCA.

Statement

N.A.A. (National Airports Authority)

1. Akola
2. Aurangabad
3. Juhu
4. Kolhapur
5. Nagpur
6. Sholapur

I.A.A.I. (International Airports Authority of India)

1. Bombay

DEFENCE (Ministry of Defence)

1. Ahmednagar
2. Darna Camp
3. Deolali
4. Kalyan
5. Nasik
6. Pune

D.G.C.A. (Directorate General of Civil Aviation)

1. Hadapsar

H.A.L. (Hindustan Aeronautical Limited).

1. Ozar

State Government

Name of Airport	District
1. Chandrapur	Chandrapur
2. Jaith	Sangli
3. Jalgaon	Jalgaon
4. Karad	Satara
5. Kawalpur	Sangli
6. Nanded	Nanded
7. Osmanabad	Osmanabad
8. Phaltan	Satara
9. Ratnagiri	Ratnagiri
10. Latur	Latur

तटवर्ती क्षेत्रों में पर्यटन के विकास की योजना

1379. **श्री गोपालसिंह जी० सोलंकी :** क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या तटवर्ती क्षेत्रों में पर्यटन के विकास की कोई योजना है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार को राज्य सरकारों से तटवर्ती क्षेत्रों, विशेष कर गोवा, बम्बई और दमन के बीच जल-पोतों की सेवायें आरम्भ करके पर्यटकों के आवागमन को प्रोत्साहित करने के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करने के संबंध में कतिपय प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) 1990-91, 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के वर्षों के दौरान इस प्रयोजनार्थ राज्य-वार क्रमश: कितनी-कितनी सहायता प्रदान की गई ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) से (ङ) विशेष पर्यटन क्षेत्रों के रूप में विकास करने के लिये कुछ तटीय क्षेत्रों का अभिनिर्धारण किया गया है । ये महाराष्ट्र में सिंधुदुर्ग जिला, केरल में बेकल समुद्रतट, तमिलनाडु में मुत्तुकाडु–मामल्लापुरम और उड़ीसा में पुरी–कोणार्क तथा दमन और दीव संघ राज्य क्षेत्र में दीव के तटीय क्षेत्र हैं । संबंधित राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों को इन क्षेत्रों में पर्यटन का विकास करने के लिये मास्टर प्लान तैयार करने के लिये कहा गया है ।

राज्य सरकारों से तटीय क्षेत्रों में जिनमें गोआ बम्बई और दमण शामिल हैं, में फेरी-सेवायें प्रारंभ कराने के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है ।

मध्य प्रदेश के छत्तीसगढ़ क्षेत्र में पर्यटक स्थल

1380. **श्री दिलीप सिंह जूदेव :** क्या **नगर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश के छत्तीसगढ़ क्षेत्र में कुल कितने पर्यटक स्थल हैं;

(ख) क्या राज्य सरकार ने इस क्षेत्र में स्थित पर्यटक स्थलों के विकास तथा वहां पर अन्य सुविधाएं प्रदान करने के संबंध में केन्द्रीय सरकार को कोई प्रस्ताव भेजा है ;